Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

कक्षा - 9

सामाजिक विज्ञान

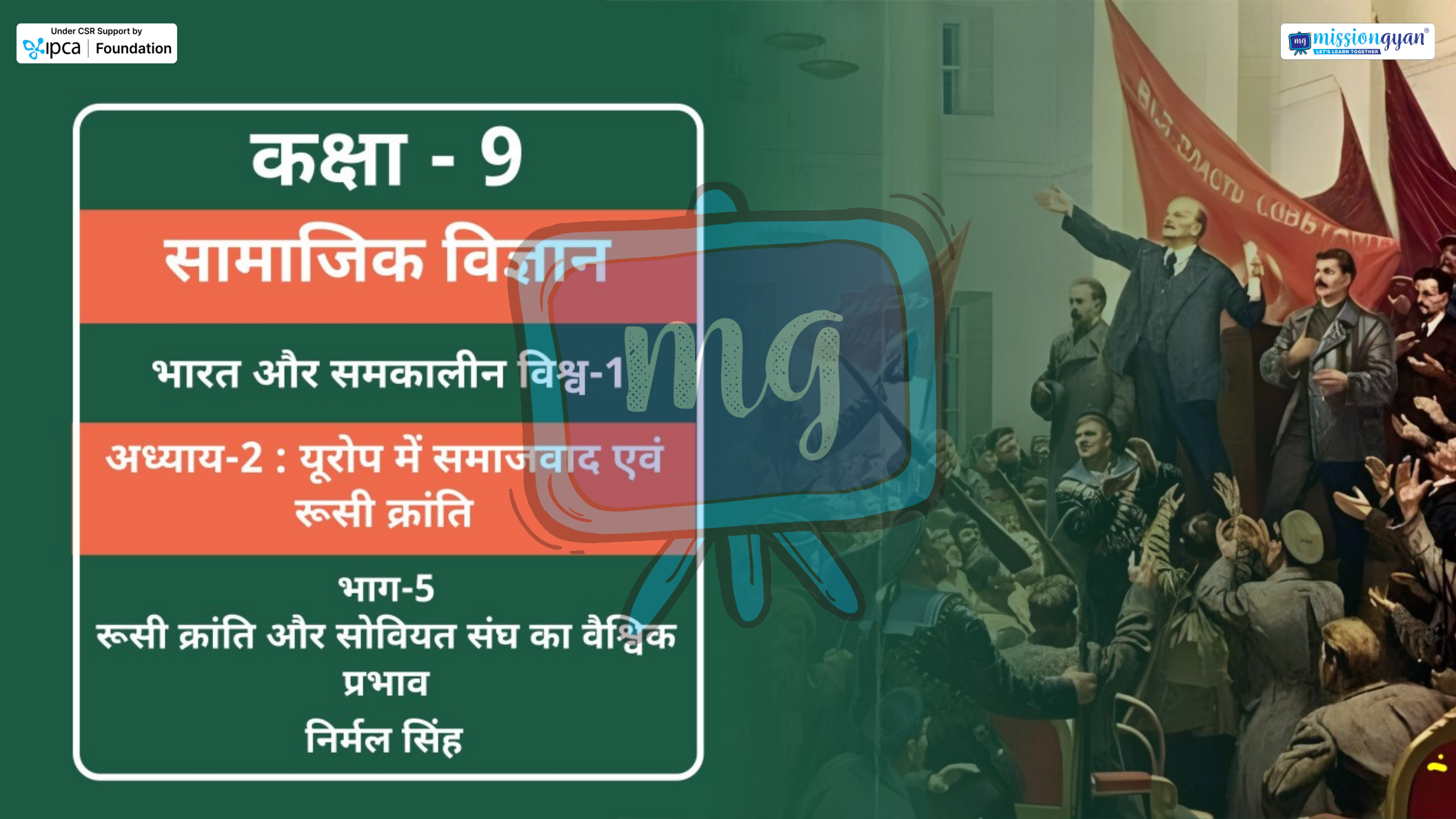
भारत और समकालीन विश्व-1

अध्याय-2 : यूरोप में समाजवाद एवं रूसी क्रांति

भाग-5

रूसी क्रांति और सोवियत संघ का वैश्विक प्रभाव

निर्मल सिंह

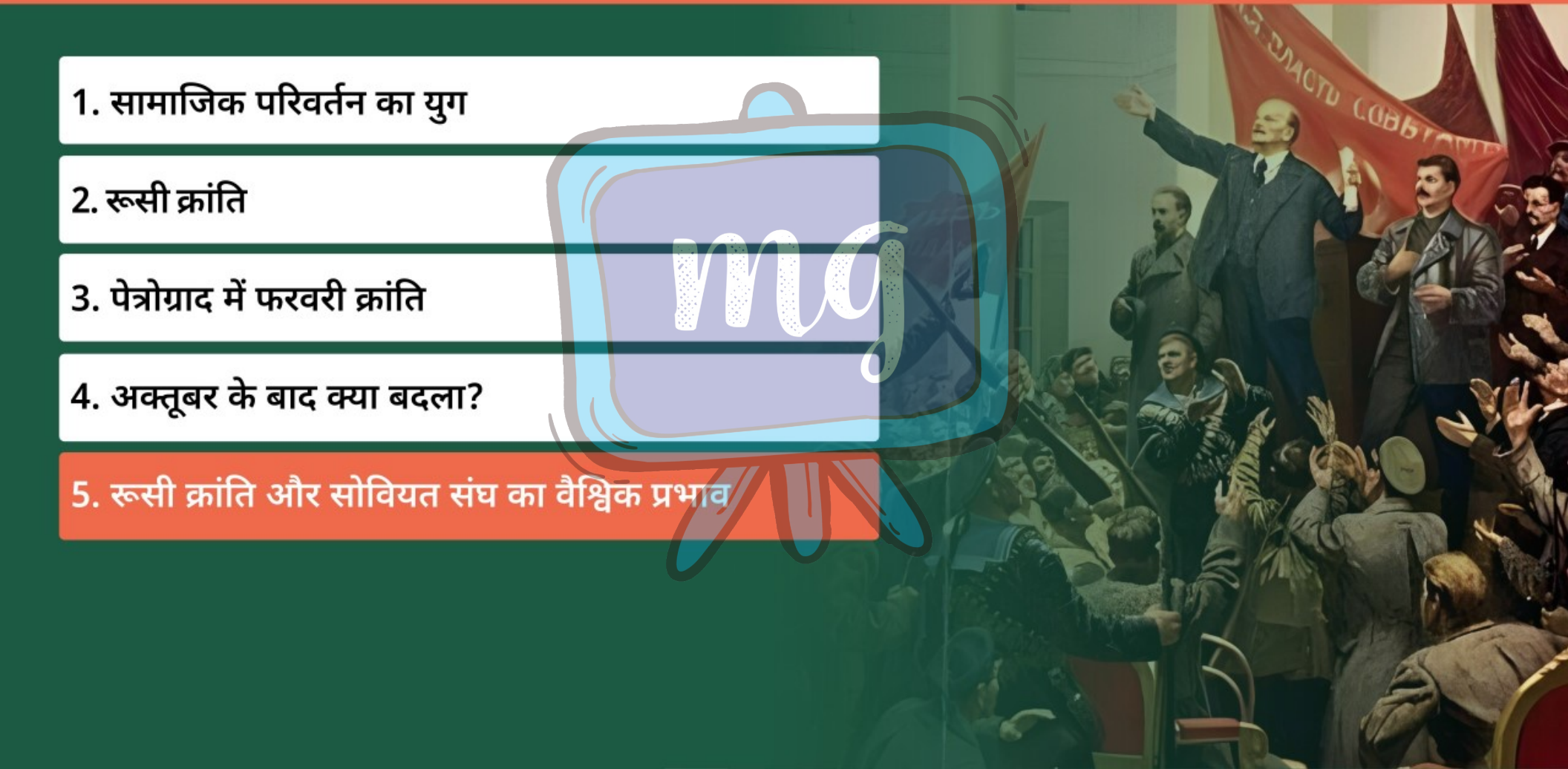


Under CSR Support by ipca | Foundation

विवरण (Overview)

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

1. सामाजिक परिवर्तन का युग
2. रूसी क्रांति
3. पेत्रोग्राद में फरवरी क्रांति
4. अक्तूबर के बाद क्या बदला?
5. रूसी क्रांति और सोवियत संघ का वैश्विक प्रभाव



सोवियत संघ का गठन और वैश्विक प्रभाव



Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

रूसी क्रांति और सोवियत संघ का वैश्विक प्रभाव



Under CSR Support by ipca | Foundation

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

रूसी क्रांति और सोवियत संघ का वैश्विक प्रभाव

- बोल्शेविकों ने जिस तरह सत्ता पर कब्ज़ा किया और जिस तरह शासन चलाया उससे यूरोप की समाजवादी पार्टियाँ बहुत सहमत नहीं थी।
- बहुत सारे देशों में कम्युनिस्ट पार्टियों का गठन किया गया।

Under CSR Support by ipca | Foundation

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

- इंग्लैंड में कम्युनिस्ट पार्टी ऑफ ग्रेट ब्रिटेन की स्थापना की गई।
- बोल्शेविकों ने उपनिवेशों की जनता को भी उनके रास्ते का अनुसरण करने के लिए प्रोत्साहित किया।
- सोवियत संघ के अलावा भी बहुत सारे देशों के प्रतिनिधियों ने कांफ्रेंस ऑफ़ द पीपुल ऑफ़ दि ईस्ट (1920) और बोल्शेविकों द्वारा बनाए गए कॉमिन्टर्न में हिस्सा लिया था।

Under CSR Support by ipca | Foundation

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

- कॉमिन्टर्न: बोल्शेविक समर्थक समाज़वादी पार्टियों का अंतर्राष्ट्रीय महासंघ।
- कुछ विदेशियों को सोवियत संघ की कम्युनिस्ट युनिवर्सिटी ऑफ़ द वर्कर्स ऑफ़ दि ईस्ट में शिक्षा दी गई।
- दूसरे विश्व युद्ध तक सोवियत संघ की वजह से समाजवाद को एक वैश्विक पहचान मिल चुकी थी।

Under CSR Support by ipca | Foundation

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

- पचास के दशक तक देश के भीतर भी लोग यह समझने लगे थे कि सोवियत संघ की शासन शैली रूसी क्रांति के आदर्शों के अनुरूप नहीं है।
- विश्व समाजवादी आंदोलन में भी इस बात को माना कि सोवियत संघ में सब कुछ ठीक-ठाक नहीं चल रहा है।
- एक पिछड़ा हुआ देश महाशक्ति बन चुका था।

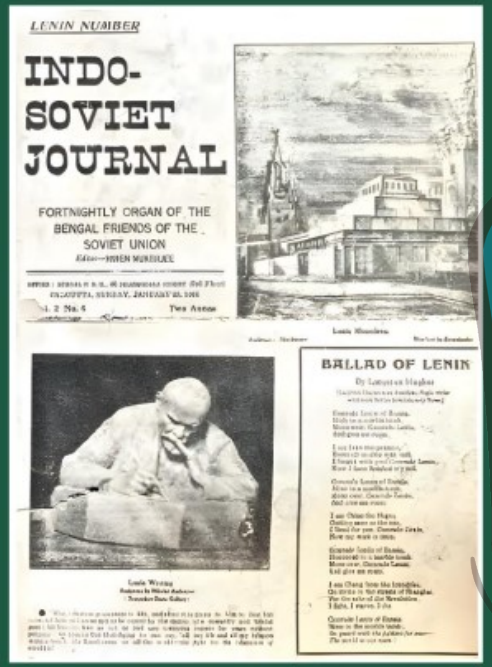
Under CSR Support by ipca | Foundation

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

- उसके उद्योग और खेती विकसित हो चुके थे।
- लेकिन वहाँ के नागरिकों को कई तरह की आवश्यक स्वतंत्रता नहीं दी जा रही थी।
- विकास परियोजनाओं को दमनकारी नीतियों के बल पर लागू किया गया था।
- बीसवीं सदी के अंत तक एक समाजवादी देश के रूप में अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर सोवियत संघ की प्रतिष्ठा काफी कम रह गई।

Under CSR Support by ipca | Foundation

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER


LENIN NUMBER

INDO-SOVIET JOURNAL

FORTNIGHTLY ORGAN OF THE BENGAL FRIENDS OF THE SOVIET UNION

Editor—HIREN MUKERJEE

CALCUTTA, SUNDAY, JANUARY 21, 1945

Vol. 2 No. 6 Two Annas

Lenin Mausoleum

Lenin Writing

BALLAD OF LENIN

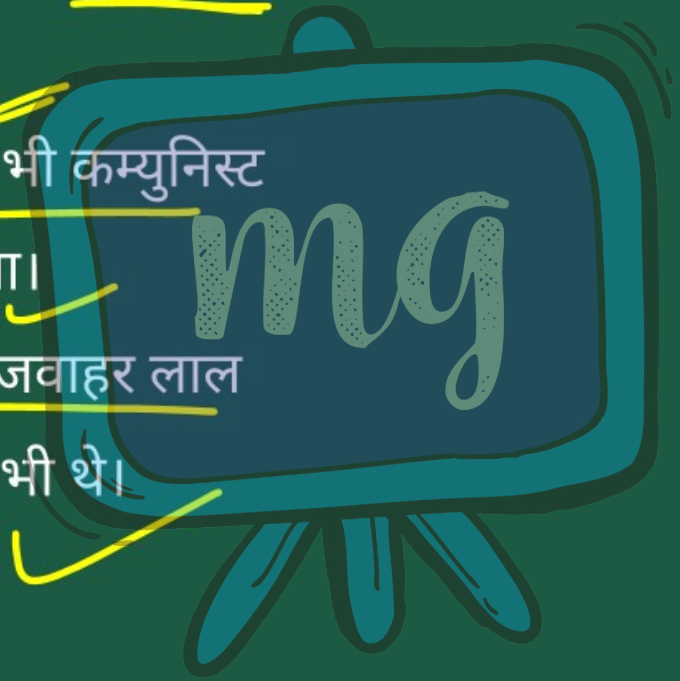
By Langston Hughes

इंडो-सोवियत जर्नल का लेनिन विशेषांक...
दूसरे विश्वयुद्ध के दौरान भारतीय कम्युनिस्टों ने
सोवियत संघ के लिए जनमत निर्माण किया।

Under CSR Support by ipca | Foundation

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

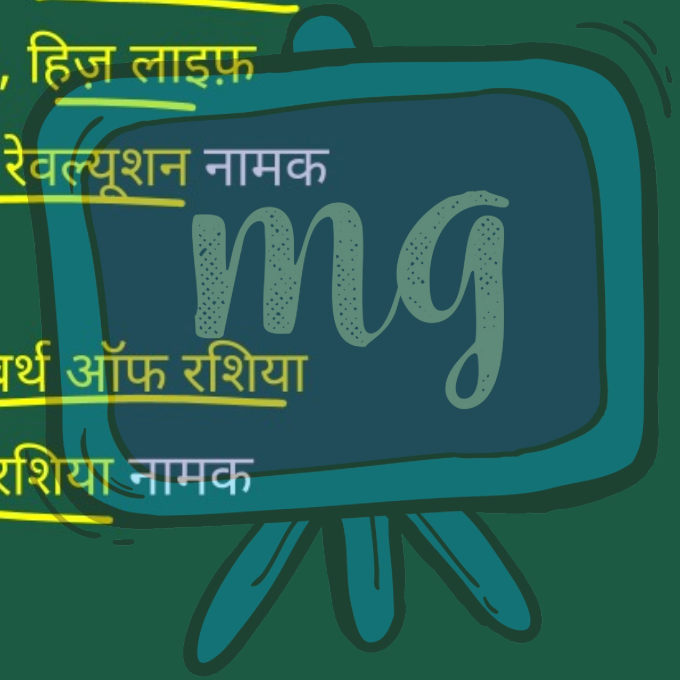
- हालाँकि वहाँ के लोग अभी भी समाजवाद के आदर्शों का सम्मान करते थे।
- 1920 के दशक में भारत में भी कम्युनिस्ट पार्टी का गठन कर लिया गया।
- रूस जाने वाले भारतीयों में जवाहर लाल नेहरू और रविन्द्रनाथ टैगोर भी थे।



Under CSR Support by ipca | Foundation

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

- हिन्दी में आर.एस. अवस्थी ने 1920-21 में में एशियन रेवल्यूशन, लेनिन, हिज़ लाइफ़ एण्ड हिज़ थॉट्स और द रेड रेवल्यूशन नामक किताबें लिखीं।
- एस.डी. विद्यालंकार ने द रीबर्थ ऑफ रशिया तथा द सोवियत स्टेट ऑफ रशिया नामक पुस्तकें लिखीं।



Under CSR Support by ipca | Foundation

सीखने के प्रतिफल (Learning Outcomes)

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

1. अन्य देशों में कम्युनिस्ट पार्टियों का गठन
2. कॉमिन्टर्न



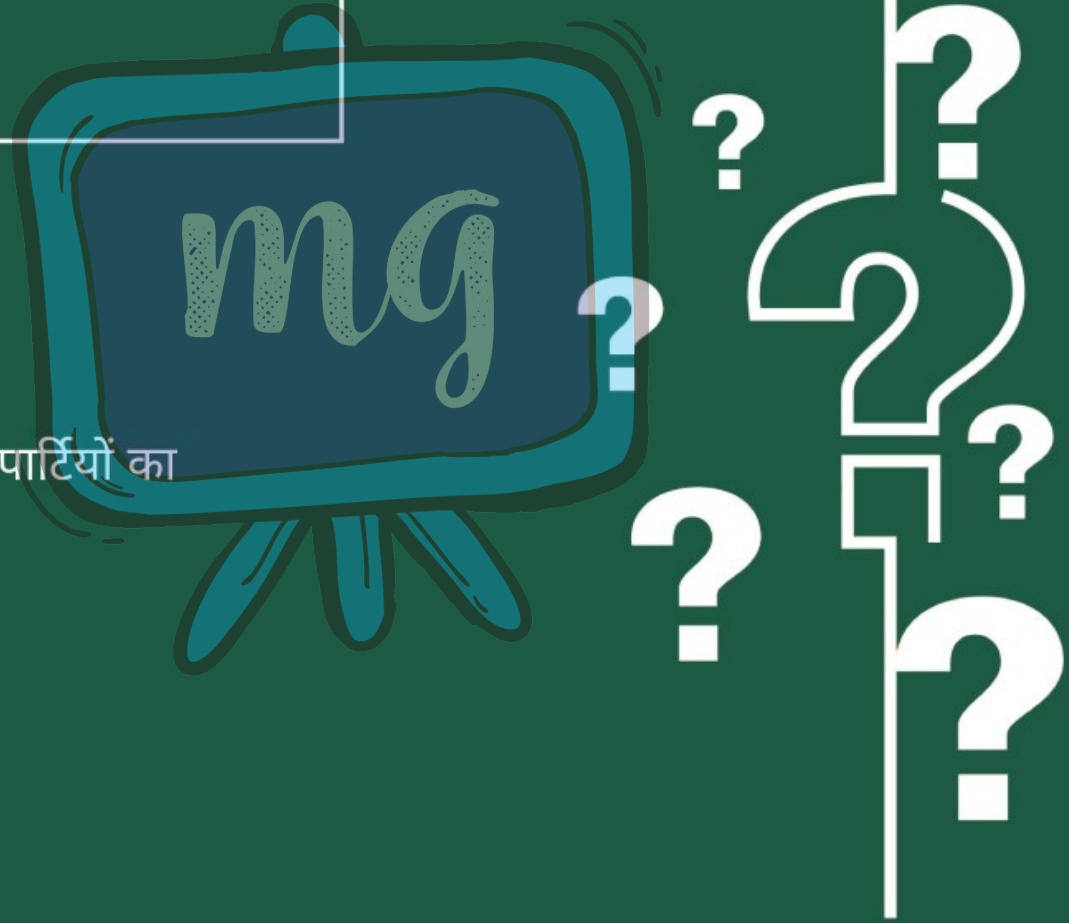
Under CSR Support by ipca | Foundation

मूल्यांकन (Assessment)

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

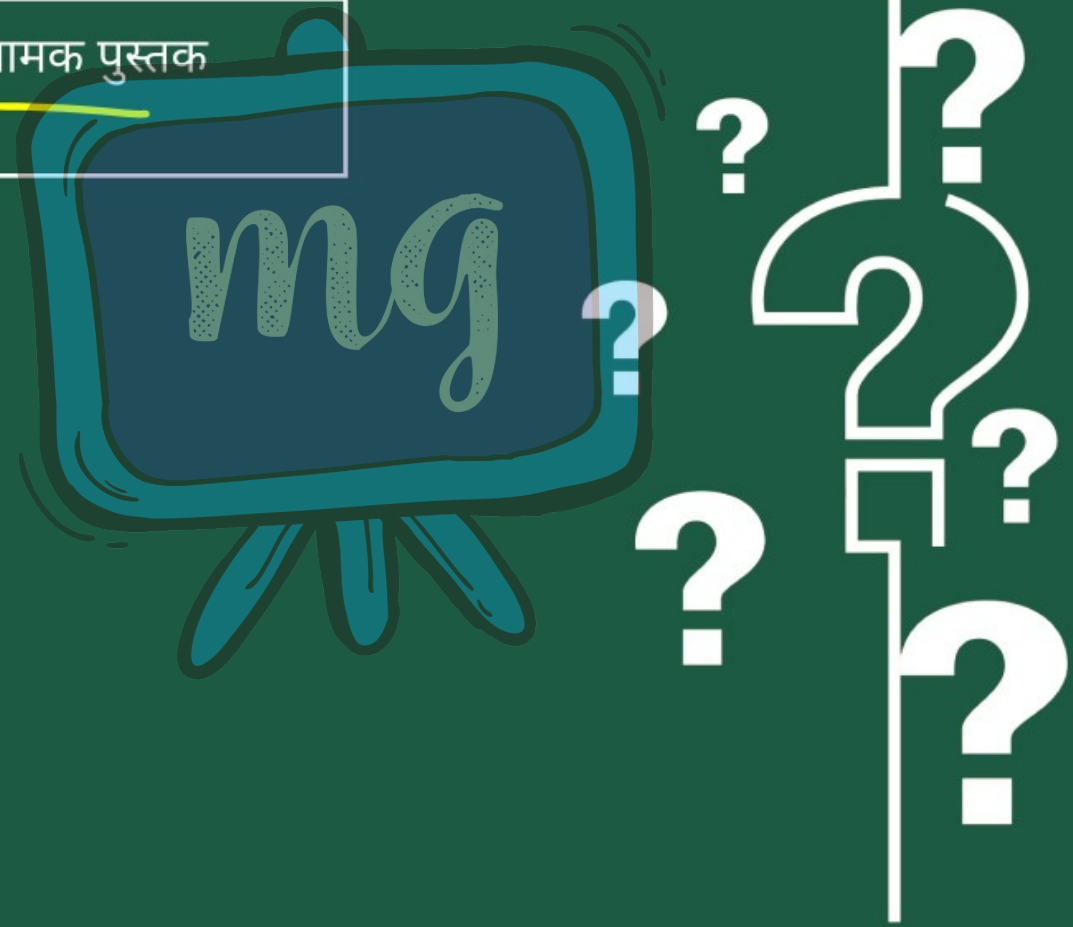
1 | कॉमिन्टर्न क्या है?

- अ रूस की संसद
- ब रूसी सेना का संघ
- स बोल्शेविक समर्थक समाजवादी पार्टियों का अंतर्राष्ट्रीय महासंघ
- द गैर बोल्शेविकों का संगठन



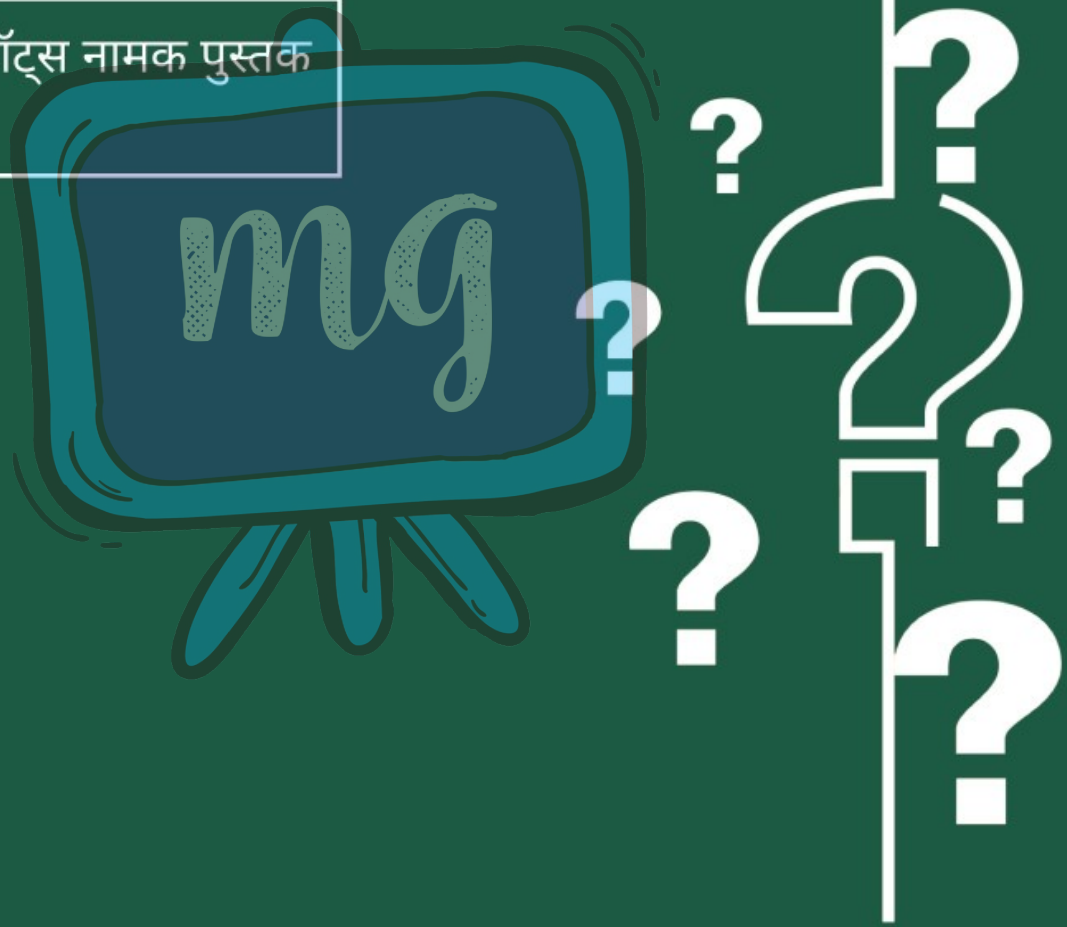
2 | द सोवियत स्टेट ऑफ रशिया नामक पुस्तक किसने लिखी?

- अ आर.एस.अवस्थी
- ब एस.डी.विद्यालंकार
- स गोपीनाथ शर्मा
- द जवाहर लाल नेहरू



3 | लेनिन, हिज़ लाइफ एंड हिज़ थॉट्स नामक पुस्तक किसने लिखी?

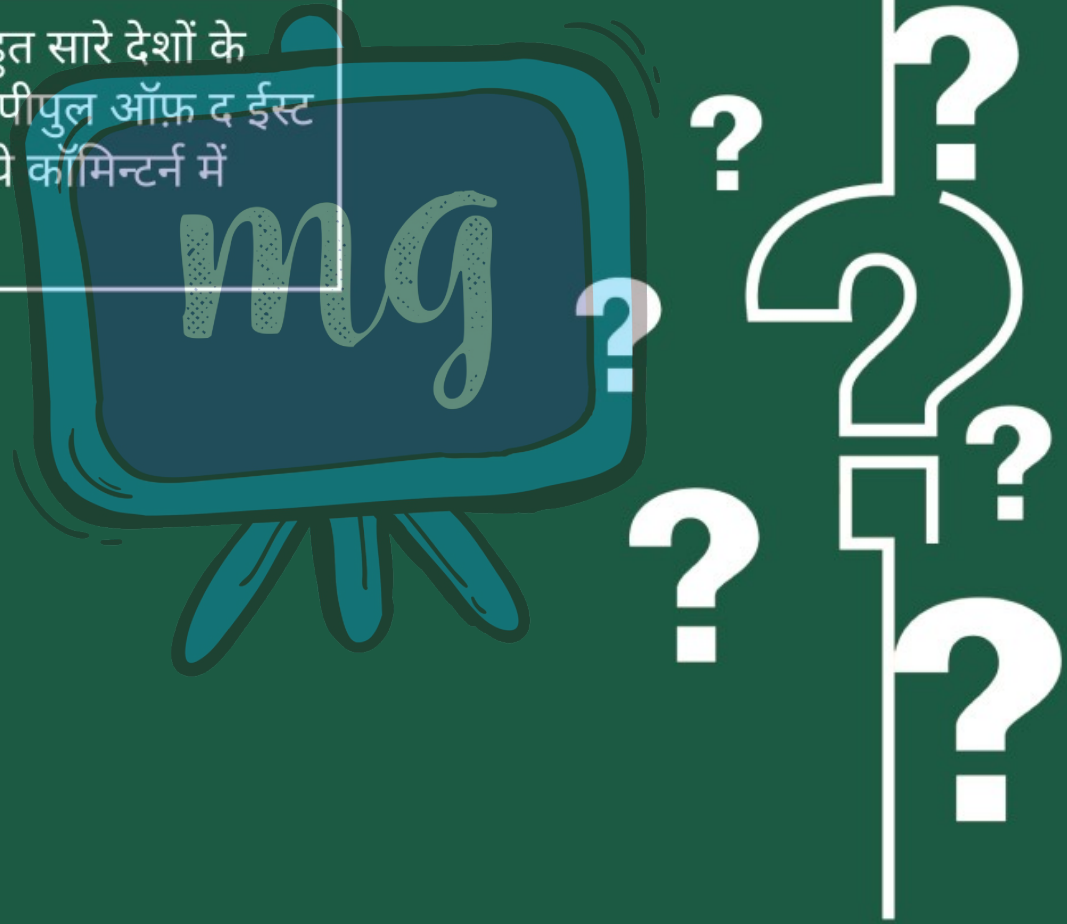
- अ जवाहर लाल नेहरू
- ब एस.डी.विद्यालंकार
- स रविन्द्रनाथ टैगोर
- द ✓ आर.एस.अवस्थी



4 सोवियत संघ के अलावा भी बहुत सारे देशों के प्रतिनिधियों ने कांफ्रेंस ऑफ द पीपुल ऑफ़ द ईस्ट और बोल्शेविकों द्वारा बनाये गये कॉमिन्टर्न में हिस्सा लिया था।

अ सही

ब गलत



5 | भारत में भी ..... के दशक में कम्युनिस्ट पार्टी का गठन कर लिया गया।

